HINDI SAHITYA (Code - 1112)

हिन्दी साहित्य (कोड-1112)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 150**

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 150**

निर्देशः **खण्ड-एक** से **दो** प्रश्नों तथा **खण्ड-दो** से **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। अंतिम **खण्ड-तीन** अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दिये हुए हैं।

खण्ड-एक

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देते हुए उनके पारस्परिक साम्य-वैषम्य को उदाहरण द्वारा रेखांकित कीजिए। [30]

2. राष्ट्रीय सामाजिक चेतना के विकास में हिन्दी की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। [30]

3. भाषा के मानकीकरण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए हिन्दी भाषा के मानकीकरण की समस्याओं को विवेचित कीजिए। [30]

4. "हिन्दी के कवियों में यदि कहीं रमणीय और सुन्दर अद्वैती रहस्यवाद है तो जायसी में, जिनकी भावुकता बहुत ही उच्च कोटि की है।" आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इस मत की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। [30]

5. "हम कौन थे, क्या हो गये, और क्या होंगे अभी" - इस कथन के सन्दर्भ में "भारत-भारती" के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए। [30]

खण्ड-दो

6. "नागमती का विरह वर्णन" हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है। इस कथन को सोदाहरण सिद्ध कीजिए। [30]

7. "डॉ. नगेन्द्र हिन्दी आलोचना में पौर्वात्य और पाश्चात्य दोनों की वैचारिक पृष्ठभूमि लेकर चले हैं।" इसे संक्षेप में निरूपित कीजिए। [30]

8. ''मुक्तिबोध' भयावहता के कवि हैं।" इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। [30]

9. '''कुकुरमुत्ता' निराला के व्यंग्य-काव्य की सर्वश्रेष्ठ रचना है।" इस कथन के आधार पर 'कुकुरमुत्ता' की समीक्षा कीजिए। [30]

10. मन्नू भंडारी कृत 'महाभोज' के साहित्यिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। [30]

खण्ड-तीन

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** विषयों पर टिप्पणी लिखिये : [10×2=20]

(क) नाथ साहित्य की विशेषताएँ।

(ख) हिन्दी भाषा का तकनीकी विकास।

(ग) रेखाचित्र का वैशिष्ट्य

(घ) कुबेरनाथ राय का साहित्यिक प्रदेय।

(ङ) मैला आँचल

12. निम्नलिखित के कथन और शिल्प का विवेचन कीजिए : [10]

"तुमने वह आर्त पुकार सुनी है। तुम भी न सुनोगे तो सुनने वाले कहाँ से आयेंगे..... अपनी विद्या व बुद्धि को, अपनी जगी हुई मानवता को और भी उत्साह और जोर के साथ उसी रास्ते पर ले जाओ।"

अथवा

है अमा निशा, उगलता गगन घन अंधकार

खो रहा दिशा का ज्ञान, स्तब्ध हैं पवन चार

अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल

भूधर ज्यों ध्यानमग्न, केवल जलती मशाल।

----- x -----